पाठ - स्वतंत्रता की ओर

कठिन शब्द -

- स्वतंत्रता
- आश्रम
- योजना
- साबरमती
- चरखा
- खादी
- सूत कातना
- दूध दुहना
- धुआं
- पालक
- दांडी
- जुलूस
- सत्याग्रह
- कर
- सरासर
- अन्याय
- अक्लमंद
- व्यस्त
- गौशाला

egyanarchive

शब्दार्थ -

1. स्वतंत्रता - आजादी
2. आश्रम - ऋषियों-मुनियों के रहने का स्थान; जहाँ जीवन पद्धति में श्रम की प्रधानता हो
3. योजना - कार्यक्रम, रूपरेखा
4. साबरमती - अहमदाबाद में एक नदी और स्थान
5. चरखा - कताई का चक्र
6. खादी - हाथ से बुनी हुई कपास
7. सूत कातना - धागा बनाना

8. दूध दुहना - गाय या भैंस आदि से दूध निकालना
9. दांडी - गुजरात में एक शहर
10. जुलूस - उत्सव, विरोध या समारोह के लिए निकलने वाली यात्रा; जनयात्रा; (रैली)
11. सत्याग्रह - अहिंसक प्रतिरोध (सत्य के लिए आग्रह)
12. कर - लगान, टैक्स
13. सरासर - पूरा का पूरा, पूर्ण
14. अन्याय - न्याय के विरुद्ध
15. अक्लमंद - बुद्धिमान
16. व्यस्त - काम में लगा
17. गौशाला - गायों के लिए आश्रय

प्यारे बापू

इस कहानी को पढ़कर तुम्हें बापू के बारे में कई बातें पता चली होंगी। उनमें से कोई तीन बातें यहाँ लिखो।

उत्तर:

- गाँधीजी रोज सुबह आश्रम में टहलते थे और उसके बाद चरखा कातते थे।
- वे ब्रिटिश सरकार के गलत निर्णयों का विरोध करते थे। अपने देशवासियों को अपना हक दिलवाना चाहते थे।
- वे धनी जैसे छोटे बच्चों की बात भी गौर से सुनते थे और उन्हें अच्छे ढंग से अपनी बात समझाते थे।

चूल्हा

धनी की माँ चूल्हा फेंक रही थीं।

धनी की माँ खाना पकाने के लिए चूल्हे का इस्तेमाल करती थीं। नीचे कुछ चित्र बने हैं। इनके नाम पता करो और लिखो।

इनमें कौन-कौन से ईंधन का इस्तेमाल किया जाता है?

तुम्हारे घर में खाना पकाने के लिए इनमें से किसका इस्तेमाल किया जाता है?

उत्तर:

- स्टोव में मिट्टी का तेल इस्तेमाल किया जाता है।
- हाथ से बनाए मिट्टी के चूल्हे में लकड़ी का इस्तेमाल किया जाता है।
- गैस स्टोव में एल. पी. जी. (गैस) का इस्तेमाल होता है।
- भट्टी में कोयले का इस्तेमाल होता है।

कहानी से आगे

नीचे कहानी में आए कुछ शब्द लिखे हैं। कक्षा में चार-चार के समूह में एक-एक चीज़ के बारे में पता करो-

egyanarchive

- स्वतंत्रता
- सत्याग्रह
- खादी
- चरखा

तुम इस काम में अपने दोस्तों से, बड़ों से, शब्दकोश या पुस्तकालय से सहायता ले सकते हो। जानकारी इकट्ठा करने के बाद कक्षा में इसके बारे में बताओ।

<u>उत्तर</u>:

1. **स्वतंत्रता** – अपने देश में आज़ादी के साथ रहना, किसी दूसरे देश का हस्तक्षेप न होना।
2. **सत्याग्रह** – सत्य के लिए आग्रह अर्थात् सही बात मनवाने के लिए हठ करना।
3. **खादी** – चरखे पर सूत कातकर बनाया गया घरेलू मोटा कपड़ा।
4. **चरखा** – सूत या धागा कातने का लकड़ी का एक उपकरण।

आगे की कहानी

गाँधीजी ने धनी से कहा, "क्या तुम आश्रम में ही रहकर मेरे लिए बिन्नी की देखभाल करोगे?"

धनी ने गाँधीजी की बात मान ली।।

जब गाँधीजी दांडी यात्रा से लौटे होंगे, तब आश्रम में क्या-क्या हुआ होगा? आगे की कहानी सोचकर लिखो।

<u>उत्तर</u>: जब गाँधीजी दांडी यात्रा से लौटे होंगे, तब आश्रम में उनका भव्य स्वागत हुआ होगा। आश्रम के लोग उनसे दांडी यात्रा के बारे में पूछे होंगे। गाँधीजी ने उन्हें सबकुछ बताया होगा।

कहानी से

(क) धनी ने गाँधीजी से सुबह के समय बात करना क्यों ठीक समझा होगा?

<u>उत्तर</u>: गांधी जी आश्रम में रोज़ सुबह पैदल घूमते थे। इस समय उनसे मिलना आसान था। दिन में उन्हें अकेले पकड़ पाना बहुत मुश्किल था।

(ख) धनी बिन्नी की देखभाल कैसे करता था?

<u>उत्तर</u>: वह बिन्नी को हरी-हरी घास खिलाता था। उसके बर्तन में पानी डालता था। उसे आश्रम में घुमाता था और उससे बातें करता था।

(ग) धनी को यह कैसे महसूस हुआ होगा कि आश्रम में कोई योजना बनाई जा रही है?

<u>उत्तर</u>: गाँधीजी के कमरे में लोगों को गंभीर मुद्रा में बातें, और सलाह-मशविरा करते हुए देखकर धनी को ऐसा लगा होगा कि वे कोई योजना बना रहे हैं।

egyanarchive

कहानी और तुम

(क) धनी यात्रा पर जाने के लिए उत्सुक क्यों था?

अगर तुम धनी की जगह होते तो क्या तुम यात्रा पर जाने की जिद करते? क्यों?

उत्तर: धनी यात्रा पर जाने के लिए इसलिए उत्सुक था क्योंकि वह देश की स्वतंत्रता की लड़ाई में भाग लेना चाहता है। गाँधीजी को अपना सहयोग देना चाहता था।

अगर मैं धनी की जगह होता तो मैं भी यात्रा पर जाने की जिद करता क्योंकि धनी की तरह मैं भी जागरूक हूँ।

(ख) गांधीजी ने धनी को न जाने के लिए कैसे मनाया?

क्या तुम गांधीजी के तर्क से सहमत हो? क्यों?

उत्तर: गाँधीजी ने धनी से कहा कि वह उनके लिए बिन्नी की देखभाल करे जिससे कि दांडी से लौटकर आने के बाद वह उसका खूब सारा दूध पीकर ताकतवर महसूस करें। धनी को गाँधीजी की यह बात बिल्कुल ठीक लगी और वह रुक गया। हाँ, मैं गांधीजी के तर्क से सहमत हूँ। आश्रम के सभी लोगों को कोई न कोई काम करना होता था। धनी बिन्नी की देखभाल करने के लिए आश्रम में रह गया। बिन्नी की देखभाल करना भी एक काम था।

ताकत के लिए

गांधीजी ने कहा, "जब मैं वापस आऊँगा तो मुझे खूब सारा दूध पीना पड़ेगा, जिससे कि मेरी ताकत लौट आए।"

बताओ, खूब सारी ताकत और अच्छी सेहत के लिए तुम क्या-क्या खाओगे-पिओगे?

- चटपटी अंकुरित दाल – मीठा दूध
- गर्म समोसे – रसीला आम
- करारे गोलगप्पे – गर्मागर्म साग
- कुरकुरी मक्का की रोटी – ठंडी आइसक्रीम
- खुशबूदार दाल – रंग-बिरंगी टॉफी
- मसालेदार अचार – ठंडा शरबत

उत्तर:

- अंकुरित दाल
- मीठा दूध
- रसीला आम
- मक्का की रोटी
- आइसक्रीम
- दाल
- साग

egyanarchive

- शरबत

विशेषता के शब्द

अभी तुमने जिन खाने-पीने की चीज़ों के नाम पढ़े, उनकी विशेषता बता रहे हैं ये शब्द- चटपटी, मीठा, गर्म, ठंडा, कुरकुरी आदि। नीचे लिखी चीजों की विशेषता बताने वाले शब्द सोचकर लिखो-

गरमा-गरम हलवा	हरे-भरे पेड़	थोड़ा नमक	लाल चींटी
सफेद पत्थर	नया कुर्ता	पुराना चश्मा	तिरंगा झंडा

चाँद की बिंदी

नीचे लिखे शब्दों में सही जगह पर ं या ँ लगाओ।

उत्तर:

- धुआ - धुआं
- कुआ - कुंआ
- फूक - फेंक
- कहा - कहाँ
- स्वतत्र - स्वतंत्र
- बाध - बाँध
- मा - माँ
- गाव - गाँव
- बदगोभी - बंदगोभी
- इंतज़ार - इंतज़ार
- पसद - पसंद

किसकी जिम्मेदारी?

धनी को बिन्नी की देखभाल करने की जिम्मेदारी दी गई थी। इनकी क्या-क्या जिम्मेदारियाँ ?

- माँ/ पिता/ बिंदा

उत्तर:

1. **माँ** – आश्रम के लोगों के लिए खाना पकाना।।
2. **पिता** – चरखा कातकर धागा बनाना।
3. **बिंदा** – आश्रम में तरह-तरह की सब्जियाँ उगाना।

egyanarchive